अध्याय-तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

अध्याय–तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 प्रस्तावना–

अनुसंधान कार्य में सही दिशा में अग्रसर होने के लिये आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यवस्थित रूपरेखा हो। इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी भूमिका होती है। एक अच्छा तथा उपयोगी प्रतिदर्श संपूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिदर्श जित जितने अधिक सुदृढ़ होंगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध, वैद्य एवं विश्वसनीय होंगे। इसके बाद उपकरण तथा चयन प्रविधि महत्वपूर्ण होती है जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है।

पी.वी. यंक के शब्दों में– ''अनुसंधान एक ऐसी व्यवस्थित विधि है जिसके द्वारा नवीन तथ्यों की खोज तथा प्राचीन तथ्यों की पुष्टि की जाती है तथा उनके अनुक्रमों, पारस्परिक संबंधो, कारणात्मक व्याख्याओं तथा प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करती है जो कि प्राप्त तथ्यों को निर्धारित करते है।''

किसी भी शोध समस्या के परिणाम प्राप्त करने एवं उनका विश्लेषण तथा व्याख्या करने हेतु एक सफल योजना की आवश्यकता होती है, जो शोधकार्य में सहायक सिद्ध होती है। शोध समस्या के लिये न्यादर्श का चयन क्षेत्र का चयन, प्रदत्तों का संकलन, प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरण एवं प्रदत्तों का विश्लेषण किया जाता है।

प्रस्तुत अध्याय में समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति को केन्द्रित किया गया है। यह अध्ययन एक मात्रात्मक रूप से वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि है जिसके अन्तर्गत प्रदत्तों का संकलन सर्वेक्षण विधि के द्वारा किया गया है और प्रदत्तों का विश्लेषण t- test व सह–संबंध के द्वारा किया गया है।

3.2 विधि –

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

3.3 चर –

शोध समस्या में निम्न चर है–

1. अभिवृत्ति
2. जागरूकता

3.4 न्यादर्श व जनसंख्या –

किसी भी अनुसंधान कार्य में प्रतिदर्श का चुनाव एवं उसकी संख्या महत्वपूर्ण पहलू होता हैं। प्रस्तुत अध्ययन में समय सीमा को ध्यान में रखते हुये प्रतिदर्श को आकस्मिक प्रकार से चयनित किया गया है जिसके अन्तर्गत समष्टि से अपनी सुविधा के अनुसार चुनाव किया गया है अर्थात् जो प्रारंभिक शिक्षक मौजूद थे उन्हीं से ही अपनी सुविधा अनुसार सूचना को संग्रहित किया है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा प्रतिदर्श का चयन के लिये शहरी स्कूल लिये गये है जिसके अन्तर्गत तीन अशासकीय और तीन शासकीय विद्यालय लिये गये है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा 100 प्रारंभिक शिक्षक को चयनित किया गया है क्योंकि इस स्तर पर उन्हें बच्चों के प्रति ज्यादा समानुभूति होती है।

जनसंख्या – प्रारंभिक शिक्षक

न्यादर्श – 100 प्रारंभिक शिक्षक

तालिका संख्या 3.1 स्कूल वार शिक्षकों की संख्या

संख्या	अशासकीय	शिक्षकों की संख्या	शासकीय	शिक्षकों की संख्या
1	विध्याचंल अकादमी	20	डी.एम.एस.	10
2.	सेंट जोसेफ	20	मॉडल स्कूल	20
3.	सरस्वती विद्या मंदिर	10	कमला नेहरू स्कूल	20

3.5 उपकरण –

शोध में प्रदत्तों का संकलन करने हेतु विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। जिससे प्रदत्तों के विश्लेषण तथा व्याख्या करने में सरलता हो। शोधार्थी द्वारा चयनित किया गया उपकरण स्वनिर्मित है जो कि विश्वसनीय एवं उद्देश्यपूर्ण है।

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति की प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिये लिकर्ट मापनी के आधार पर शोधार्थी ने जागरूकता मापनी और अभिवृत्ति मापनी को 5 स्कोरिंग से (पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत, पूर्णतः असहमत) विकसित किया है, अभिवृत्ति और जागरूकता पता करने के लिये कथनों के द्वारा स्कोर किया गया। जो पूर्णतः समावेशी शिक्षा पर आधारित है तथा जागरूकता मापनी और अभिवृत्ति मापनी कथनों के रूप में इन कथनों का उत्तर प्रारंभिक शिक्षकों द्वारा किया गया है तथा इन्हीं उत्तर के आधार पर शोधार्थी द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया है।

1. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति को जानने के लिये लिकर्ट मापनी के आधार पर प्रश्नावली बनाई गई है जिसमें 30 कथन है।

   (कृपया परिशिष्ट–1 देखिये)

2. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता को जानने के लिये लिकर्ट मापनी के आधार पर प्रश्नावली बनाई गई है जिसमें 25 कथन है।

   (कृपया परिशिष्ट–2 देखिये)

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति मापनी के लिये राजपूत जगमोहन सिंह, देवल ओंकार सिंह, मिश्र चौधरी, हेमकांत मिश्र, चंद पूरन की "विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव" (NCERT) की सहायता ली गयी।

3.6 प्रदत्तों का संकलन –

प्रदत्तों के संकलन हेतु शोधार्थी सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाध्यापक से व्यक्तिगत रूप से मिली तथा उन्हें अपने लघु शोध के उद्देश्य से अवगत कराया गया। फिर उन्होंने शोध की उपयोगिता को समझकर प्रदत्तों के संकलन हेतु अनुमति प्रदान की। प्रधानाध्यापक की अनुमति मिलने के पश्चात् विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों से मिली और निम्न निर्देश दिये गये "मुझे आप लोगों से समावेशी शिक्षा के बारे में कुछ जानकारी लेनी है और आपकी निजी जानकारी को पूरी तरीके से गोपनीय रखेंगे।" अतः आप प्रदत्तों के संकलन हेतु सहायता करें।

प्रदत्त को निम्न 6 स्कूलों के प्रारंभिक शिक्षकों से अध्ययन के लिये संग्रहित किया गया –

1. विंध्याचल अकादमी स्कूल
2. सेंट जोसेफ स्कूल
3. सरस्वती विद्या मंदिर
4. कमला नेहरू स्कूल
5. मॉडल स्कूल
6. डी.एम.एस.

3.7 सांख्यिकीय विश्लेषण : –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोध के उद्देश्य के आधार पर शोधार्थी द्वारा निम्न सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग किया गया है।

1) विद्यालय प्रबंधन के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की जागरुकता का अध्ययन

   t- test का उपयोग किया गया।

2) विद्यालय प्रबंधन के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन

   t- test का उपयोग किया गया।

3) लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की जागरुकता का अध्ययन

t- test **का उपयोग किया गया।**

4) लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन

t- test **का उपयोग किया गया।**

5) शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता का अध्ययन

t- test **का उपयोग किया गया।**

6) शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन

t- test **का उपयोग किया गया।**

7) समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता और अभिवृत्ति में सहसंबध का अध्ययन

Pearson Product Moment correlation (r) का उपयोग किया गया।